Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to relax norms for setting up Jawahar Navodaya Vidyalayas (JNVs) in Rajasthan and other States having harsh geographical conditions and to provide reservation to OBC students in these schools.

कर्नल सोनाराम चौधरी (बाड़मेर) : ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभावान छात्रों को संस्कारयुक्त, मूल्यानुप्राणित, पर्यावरण जागृति, सहायक गतिविधियों में सहभागिता तथा शारीरिक शिक्षा जैसे गुणों से संयुक्त उत्तम गुणवत्ता और आधुनिकता से ओतप्रोत शिक्षा प्रदान करना, देश की तीन भाषाओं में उचित ढंग से कुशल बनाना, हिन्दी भाषा क्षेत्र से अन्य भाषा-भाषी क्षेत्रों में परस्पर प्रवास नीति के अंतर्गत राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना, जिला स्तर पर निर्धारक संस्थाएँ स्थापित करना, जो आदर्श के साथ ही उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के संसाधन केद्र के रूप में कार्य करें। एक सुनागरिक के निर्माण की भावना एवं उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 के अंतर्गत भारत सरकार ने जवाहर नवोदय विद्यालय प्रारंभ किये थे। यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार का स्वायत्त संस्थान है और वर्तमान में 27 राज्यों और 7 संघ शासित प्रदेशों में संचालित हैं। उक्त संस्थाएँ अपने उद्देश्य एवं लक्ष्यों की प्राप्ति में शत-प्रतिशत सफल हैं। यहां से शिक्षा अर्जित कर निकले विद्यार्थियों ने अपने जीवन में विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त की है। मेरे लोक सभा क्षेत्र में जवाहर नवोदय विद्यालय पचपदरा इसका एक उदाहरण है। इन संस्थाओं से प्रेरणा लेकर ही राजस्थान सरकार ने स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल की स्थापना की है, जो संसाधनों की कमी के कारण अभी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाया है। जवाहर नवोदय विद्यालय संस्थानों में प्रवेश हेतु 75 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र के, 25 प्रतिशत शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों को चयन किया जाता है, जिसमें एस.सी. को 15 प्रतिशत, एस.टी. को 7.50 प्रतिशत, कुल सीटों के एक-तिहाई लड़कियों को एवं विशेष योग्यजन को 3 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। ओ.बी.सी. एवं सामान्य वर्ग को समान रखा गया है। मेरा निवेदन है कि संविधान में ओ.बी.सी. को भी आरक्षण देने का प्रावधान है तो इन संस्थाओं में ओ.बी.सी. वर्ग के विद्यार्थियों को आरक्षण क्यों नहीं दिया जा रहा है। साथ ही, जो राज्य शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े एवं भौगोलिक विषमता के कारण जिन राज्यों में संसाधनों की कमी है, उन राज्यों में जवाहर नवोदय विद्यालय ज्यादा संख्या में खोलने हेतु दिशा-निर्देशों में शिथिलता प्रदान कर अधिक संख्या में उक्त श्रेणी के विद्यालय खोलने का प्रावधान किया जाना चाहिए।

मैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी एवं मानव संसाधन मंत्री से अनुरोध करूंगा कि-

1. राजस्थान सहित देश के वे राज्य जो शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े हैं और विषम भौगोलिक परिस्थितियों के चलते जिनके पास संसाधनों की कमी है, वहां युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय खोलने हेतु नियमों में शिथिलता प्रदान कर अधिक संख्या में खोले जाएँ ताकि ग्रामीण प्रतिभाएँ उभर कर आएँ।

2. उक्त विद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया में आरक्षण प्रावधान में ओ.बी.सी. को भी आरक्षण प्रदान करने हेतु नियमों में संशोधन कर आरक्षण दिया जाए।